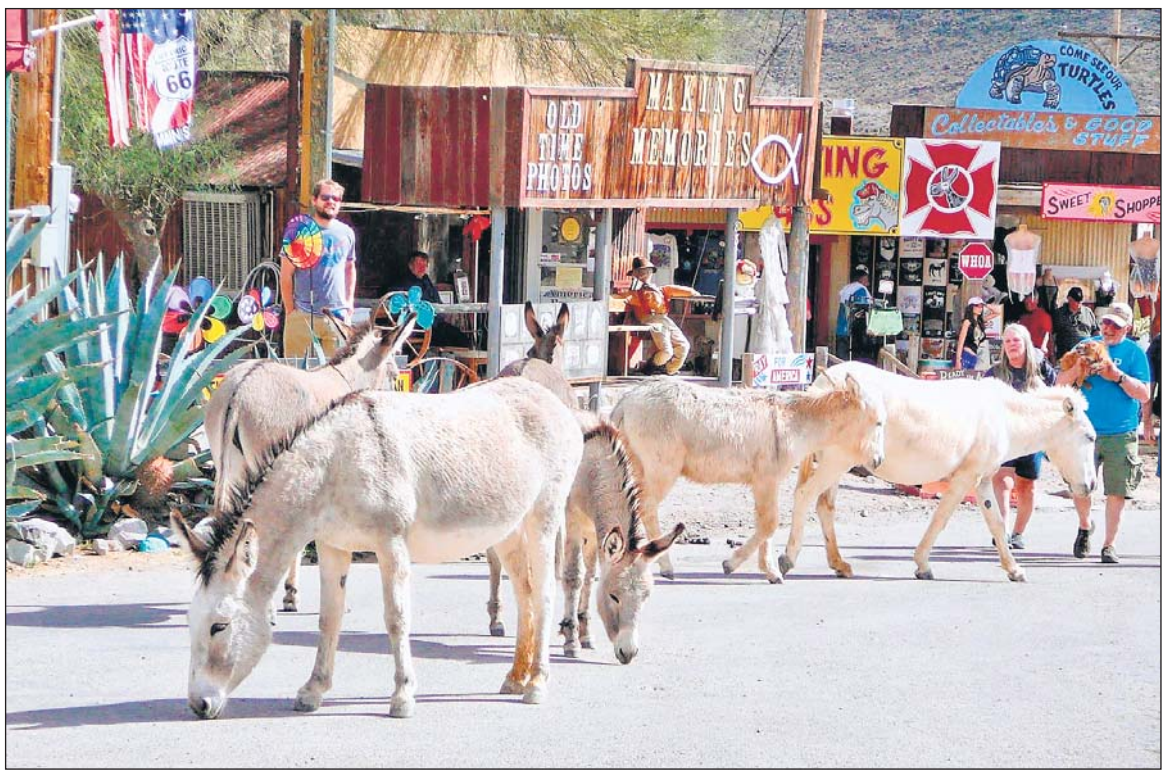

"अमेरिकन वैस्ट" उजड़े और परित्यक्त, कस्बों (गोस्ट टाउन) से भरा है। लेकिन कोई भी गोस्ट टाउन यदाकदा जीवंत भी हो सकता है, खासकर तब जब इसकी लोकेशन फिर से प्रासंगिक बन जाए। कभी -कभी कस्बों के आसपास हाईवे बनने से ऐसा होता है। लेकिन, एरिज़ोना के ओटमैन टाउन का मामला अलग है क्योंकि इस कस्बे के पुनः जीवंत होने का कारण है जंगली गधों की भारी आबादी। यह टाउन 19वीं सदी के मध्य में बना था। इसकी शुरूआत एक कैम्प के रूप में हुई थी। फिर 20वीं सदी में यहां सोना मिला और उसके बाद टाउन विकसित हो गया तथा एक साल में ही इसकी आबादी 3 हजार हो गई। लगभग दस साल तक यह क्षेत्र अमेरिकन वैस्ट का सबसे बड़ा स्वर्ण उत्पादक रहा है। टाउन का नाम ऑलिव ओटमैन के नाम पर रखा गया, जिसे उन्नीसवीं सदी के मध्य में अमेरिका के मूल निवासियों ने अपहरण करके गुलाम बना लिया था और जिसके कारण वो फेमस हो गया था। शहर में बार के बाहर अभी भी ऑलिव का नाम लिखा हुआ है और उसका पोर्ट्रेट भी लगा है। स्वर्ण भंडार खत्म होने के बाद लोगों ने यह शहर छोड़ दिया और शहर उजड़ गया, पर सोने की खोज में यहाँ आए लोगों ने अपने गधे यहीं छोड़ दिए। जंगली गधे खुले में घूमने लगे। लगभग 50 साल तक किसी ने इनकी सुध नहीं ली फिर एक छोटा समुदाय यहां बस गया और उन्होंने ओटमैन टाउन की छवि और गधों की आबादी को देखते हुए इस शहर को एक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित कर लिया। इस छोटे से कस्बे में जहाँ -तहाँ घूमते गधों को देखने और पुराने जमाने की यादे ताजा करने खूब पर्यटक आते हैं। यहां एक छोटा सा म्यूज़ियम भी है जिसमें जेल का अंदरूनी भाग और माइन टनल दिखाई देते हैं।

नूपुर शर्मा को मारने आया पाक घुसपैठिया 20 किमी पैदल चला, पांच बसें बदली

- **बॉर्डर पार करने के लिए घुसपैठिये ने 20 किलोमीटर का रास्ता गूगल मैप के सहारे तय किया।**
- **पाकिस्तान में मौलवियों से मीटिंग करने के बाद आरोपी घुसपैठिये रिजवान अशरफ ने नूपुर शर्मा की हत्या की योजना बनाई।**
- **आरोपी गंगानगर से अजमेर दरगाह जाकर चादर चढ़ाना चाहता था, उसके बाद उसकी योजना नूपुर शर्मा की हत्या करने की थी।**

बीकानेर, 20 जुलाई (कासं)। नूपुर शर्मा की हत्या करने पाकिस्तान से आए घुसपैठिए ने पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। श्रीगंगानगर पुलिस के दावों के अनुसार पाक से बॉर्डर तक आने के लिए उसने 5 बसें बदली थीं। बॉर्डर पार करने के लिए 20 किमी तक पैदल चला। गूगल मैप के सहारे उसने यह दूरी तय की। नूपुर की हत्या का प्लान भी घुसपैठिए ने पाक में हुई मौलवियों की मीटिंग के बाद बनाया।

श्रीगंगानगर एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि आरोपी रिजवान अशरफ (24) इंटरनैशनल बॉर्डर से करीब 180 किमी दूर पाक के पंजाब सूबे के कोठियाल शेख का रहने वाला है। गत 16 जुलाई की रात करीब 11 बजे हिन्दुमलकोट बॉर्डर फेंसिंग पर पैट्रोलिंग टीम ने रिजवान को पकड़ा था।

तलाशी लेने पर उसके पास से दो चाकू मिले। इसमें से एक 11 इंच का धारदार चाकू था।

इसके अलावा धार्मिक किताबें, मैप, कपड़े और खाने का सामान भी मिला। पैट्रोलिंग टीम ने रिजवान को पुलिस को सौंप दिया था। पुलिस ने उसे लोकल कोर्ट में पेश किया जहां से उसे पांच दिन के लिए रिमांड पर भेज दिया गया था।

एडीजी (सिक्योरिटी) एस. सेंगाथिर श्रीगंगानगर पहुंच गए हैं। वे इलाके में हालत का जायजा ले रहे हैं। अफसर घुसपैठिए से कुछ नया जानने और उसके भारत में किसी संगठन से कनैक्शन खंगालने की कोशिश कर रहे हैं।

गंगानगर एसपी आंनद शर्मा ने बताया कि पूछताछ में रिजवान ने कई खुलासे किए। उसने बताया– वो नूपुर शर्मा के विवादित बयान देने के बाद से बहुत गुस्से में था। वो उसे मारना चाहता था। इसीलिए वो अपने गांव से बॉर्डर क्रॉस करके भारत में घुसा था। एसपी शर्मा के मुताबिक उसे नहीं पता था कि वह भारत की किस पोस्ट पर पहुंचेगा या नूपुर शर्मा कहां रहती है। इसके बावजूद उसने भारत आने का फैसला किया। एसपी ने बताया कि फिलहाल इन्वेस्टिगेशन चल रहा है। एसपी और सेना के बड़े अधिकारी भी पूछताछ के लिए पहुंचेंगे।

सूत्रों से पता चला है कि नूपुर की विवादित टिप्पणी को लेकर पाकिस्तान के पंजाब सूबे के कई इलाकों में कट्टरपंथियों और मौलवियों की बैठक हुई थी।

भारत में घुसने के बाद रिजवान श्रीगंगानगर से अजमेर दरगाह जाना चाहता था। वहां चादर चढ़ाने के बाद उसका नूपुर शर्मा की हत्या करने का प्लान था।

नीट परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कुल 936 परीक्षार्थियों ने परीक्षा देनी थी, जिनमें से 238 विद्यार्थी हिन्दी माध्यम और बाकी 698 विद्यार्थी अंग्रेजी माध्यम के थे।

परीक्षार्थियों के परीक्षा भवन में जाने के बाद सभी को प्रश्न पत्र दिए गए, जिनको सभी परीक्षार्थियों ने लगभग 2 बजे खोला तो इसमें हिन्दी माध्यम के बच्चों के पास भी अंग्रेजी माध्यम के प्रश्न पत्र दिये गए। जिस कारण हिन्दी माध्यम के परीक्षार्थी अपनी परीक्षा नहीं दे पाए। पूरे वर्ष परीक्षा की तैयारी करने के बाद परीक्षा के दिन परीक्षा नहीं दे पाना इन छात्रों के लिए बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।

केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस विषय में जल्द ही कार्यवाही की जायेगी।

भरतपुर के पसोपा गांव में साधु ने अवैध खनन के विरोध में आग लगाई

साधु विजय दास बाबा को गंभीर हालत में जिला आर.बी.एम. अस्पताल में भर्ती कराया गया है

- **बाबा को पहले डीग कस्बे के अस्पताल लाया गया, किन्तु उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रैफर किया गया, जो अब पुलिस छावनी में तब्दील किया जा चुका है।**
- **एक अन्य साधु, नारायण दास मोबाइल टावर पर चढ़े हुए हैं, जिसके कारण क्षेत्र में इन्टरनैट सेवाएं बंद हैं।**

भरतपुर, 20 जुलाई (निसं)। कनकाचल व आदि बद्री पर्वत क्षेत्र में आज एक साधु विजय दास बाबा ने अवैध खनन के विरोध में अपनी झोपड़ी में आग लगा ली, जिससे वह गंभीर रुप से झुलस गए।

मिली जानकारी के अनुसार भरतपुर जिले के डीग क्षेत्र के पसोपा गांव में साधु- संत अवैध खनन को रोकने के लिए पिछले काफी समय से धरना दे रहे हैं। इसे लेकर आज सुबह विजय दास बाबा ने अपनी झोपड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगा ली। बाबा के अचानक आग लगाने के बाद पुलिस प्रशासन और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। मौके पर फायर बिग्रेड की गाड़ियों को भेजा गया और झुलसे बाबा को डीग कस्बे के अस्पताल लाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रैफर कर दिया गया।

बाबा के अस्पताल पहुंचने से पहले अस्पताल परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

दूसरी ओर पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने सम्भागीय आयुक्त सभागार में प्रेसवार्ता कर कहा कि राज्य सरकार ब्रज के धार्मिक आदिबद्री एवं कनकांचल पर्वतों पर हो रहे खनन को रोकने, इस क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने तथा इस क्षेत्र को वन भूमि घोषित करने की क्षेत्रीय, साधु - संतों की मांग को पूरा करने के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई की शाम को पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में साधु-संतों के प्रतिनिधि मंडल से वार्ता की गयी थी, जिसमें साधु-संतों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से सीधे वार्ता किये जाने का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री से इस सम्बंध में तत्काल समय निर्धारित किया गया था। इस बैठक पर साधु-संतों के प्रतिनिधिमण्डल ने 19 जुलाई के प्रस्तावित धरने व आत्मदाह की चेतावनी को स्थगित करने का आश्वासन दिया था। परन्तु वार्ता में हुए निर्णय के बावजूद 19 जुलाई को साधु नारायण दास मोबाइल टावर पर चढ़ गए।

विश्वेन्द्र सिंह ने कहा कि उच्च घनत्व वाली मोबाईल रेडिएशन के खतरे से बाबा को बचाने के लिए सरकार को इंटरनैट सेवा बंद करनी पड़ी जिससे आमजन को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, क्षेत्र में इंटरनैट सेवा 21 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी।

पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया में सबसे कमजोर

- **इंटरनैशनल रैंकिंग में पाकिस्तानी पासपोर्ट को एक बार फिर दुनिया में सबसे निचला स्थान दिया गया है।**

इस्लामाबाद, 20 जुलाई (वार्ता)। पाकिस्तानी पासपोर्ट को एक बार फिर दुनिया में सबसे निचला स्थान दिया गया है। जियो टीवी ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। हाल ही में हेनले पासपोर्ट सूचकांक के अनुसार पाकिस्तान के पासपोर्ट का दुनियाभर के पासपोर्ट में सबसे निचला चौथा स्थान है। यह यमन से एक स्थान नीचे और इराक, सीरिया तथा अफगानिस्तान से तीन पायदान नीचे है। सूचकांक के अनुसार पाकिस्तान को सूची में 109वें स्थान पर रखा गया है, जिसमें दुनिया भर में केवल 31 गंतव्यों के लिए वीजा-मुक्त पहुंच है। इस बीच पिछली रैंकिंग की तुलना में शीर्ष 10 सबसे शक्तिशाली पासपोर्टों में थोड़ा बदलाव आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया के पासपोर्ट की स्थिति अच्छी है।

'टाइगर के लिए रिज़र्व तो ऊंटों के लिए क्यों नहीं'

राजस्थान हाई कोर्ट ने प्रदेश में ऊंटों की घटती संख्या पर चिंता जताई

- **राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एस.एस. शिंदे की बैंच ने कहा, महाधिवक्ता 25 जुलाई को अदालत में पेश होकर राज्य सरकार का पक्ष रखें।**
- **गौरतलब है कि 1982 में ऊंटों की संख्या 7.56 लाख थी जो अब घटकर 2.34 लाख ही रह गई है।**

जयपुर, 20 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में ऊंटों की कमी को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि जब टाइगर संरक्षण के लिए रिजर्व बनाया जा सकता है तो फिर यह व्यवस्था ऊंटों के लिए क्यों नहीं हो सकती है। इसके साथ ही अदालत ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि इस गंभीर मामले में महाधिवक्ता को राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए 25 जुलाई को पेश होना चाहिए। सीजे एसएस शिंदे और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि ऊंट बॉर्डर पर बीएसएफ के काम आने सहित बहुत उपयोगी है, लेकिन यह गंभीर बात है कि वर्ष 1982 में इनकी संख्या 7 लाख 56 हजार से कम होकर अब महज दो लाख 34 हजार ही रह गई है। ऊंट को राज्य पशु घोषित करने के संबंध में कानून बनाने के बाद इनकी संख्या में कमी होना गंभीर बात है। वहीं न्यायमित्र प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि ऊंट के संबंध में कानून बनाते वक्त इनकी संख्या पौने चार लाख थी, लेकिन अब घटकर 2 लाख 34 हजार रह गई है। न्यायमित्र ने कहा कि यह कानून व्यावहारिक नहीं है। पशु पालक को दूसरे राज्य में ऊंट चराने ले जाने के लिए कलैक्टर से अनुमति लेनी होती है और वापस आकर भी इसकी सूचना देनी होती है। यदि वह ऐसा नहीं करेगा तो ऊंट मालिक पर कार्रवाई का प्रावधान है, लेकिन व्यावहारिकता में ऊंट मालिक इतना जागरूक नहीं होता और ना ही कलैक्टर इसे गंभीरता से लेते हैं। वहीं प्रति ऊंट दस हजार रुपए देने का प्रावधान भी धरातल पर नहीं है। ऐसे में हालात ये हो गए हैं कि ऊंट पालने वाले जाति विशेष के लोग ऊंटों को प्रशिक्षण देने के लिए अरब देशों में जाने लगे हैं। गौरतलब है कि ऊंटों की घटती संख्या को लेकर हाईकोर्ट ने पूर्व में भी प्रसंज्ञान लेकर राज्य सरकार से जवाब तलब किया था।

सिंगर मूसेवाला के चार शूटरों का एनकाउंटर

चंडीगढ़, 20 जुलाई। पंजाबी सिंगर मूसेवाला मर्डर से जुड़े चार शूटर्स को पंजाब पुलिस ने मार गिराया है। इन चार में से दो शूटर की पहचान हो गई है। इनका नाम जगरुप रूपा और मनप्रीत मन्नू है। बाकी दो इनके साथी बताए जा रहे हैं। पाकिस्तान बॉर्डर के बेहद करीब इलाके में ये एनकाउंटर चल रहा था। मूसेवाला मर्डर में शामिल ये शूटर चिचा भकना गांव में एक पुरानी हवेली में छिपे हुए थे। पुलिस ने एसओजी कमांडो के साथ मिलकर चारों शूटर को मार गिराया।

पूरे इलाके को पुलिस ने सील कर दिया है। एनकाउंटर खत्म हो चुका है। पुलिस ने विक्ट्री का निशान दिखाया है। हवेली में सर्च ऑपरेशन जारी है। गैंगस्टर्स के पास से एके-47, विदेशी पिस्टल और बड़ी संख्या में कारतूस व मैगजीन बरामद हुए हैं। वहीं, इस एनकाउंटर में दो पुलिसकर्मियों को गोली लगने की खबर है और वे घायल हैं। सिद्धू मुसेवाला मर्डर केस में तीन शूटर फरार चल रहे थे। मनप्रीत वही शूटर है, जिसने सबसे पहली गोली मूसेवाला पर चलाई थी। उसने एके 47 से मूसेवाला पर फायर किया था। सूत्रों के मुताबिक, कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बरार ने आदेश दिया था कि मनप्रीत ही सबसे पहली गोली मूसेवाला पर चलाएगा।

मनप्रीत जब पंजाब की जेल में बंद था, तब पटियाला गैंग के सदस्यों ने जेल में इसकी जूते-चप्पलों से पिटाई की थी।

योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमण्डल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि मैं आहत हूँ" उन्होंने अपने विभाग में हुये तबादलों में अनिमितताओं का आरोप लगाया हैं।

खटीक लिखते हैं, मुझे कोई महत्व नहीं दिया गया क्योंकि मैं दलित हुँ, " एक मंत्री के रूप में, मेरा कोई अधिकार नहीं हैं। मुझे न किसी मीटिंग के लिये बुलाया जाता है तथा मन्त्रालय के बारे में कुछ नहीं बताया जाता है। यह दलित समुदाय का अपमान है।"

एक अन्य मन्त्री, जितिन प्रसाद, जिन्हे भाजपा ने ब्राहमण चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट किया था, मुख्यमंत्री के खिलाफ क्रोध से उबल रहे हैं। वे इस बात से नाराज बताये जाते हैं कि उनकी टीम के एक अफसर को मुख्यमंत्री ने निलम्बित कर दिया हैं।

चूँकि प्रसाद को भाजपा में शामिल करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह थे, इसलिये वे दिल्ली चले गये हैं तथा वहाँ उनकी भाजपा नेतृत्व के साथ उनकी मीटिंग हुई बताते हैं। प्रसाद पिछले वर्ष, उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों से कुछ माह पहले ही, कांग्रेस छोड़कर भाजपा से गये थे।

प्रसाद को एक अत्यन्त महत्वपूर्ण मन्त्रालय, पी.डब्ल्यू.डी देकर, पुरूस्कृत किया गया था लेकिन यह विभाग भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कथित रूप से, जाँच के आदेश दिये थे तथा अनेक अधिकारी तबादलों के लिये रिश्वत के मामलों में लिप्त पाये गये।

मंगलवार को, उत्तर प्रदेश सरकार ने, विभागीय तबादलों में हुई गंम्भीर अनियमितताओं को लेकर, पाँच वरिष्ठ अधिकारी निलम्बित कर दिये।

प्रसाद के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी अनिल कुमार पान्डे, जो आई.ए.एस. अधिकारी हैं, भी तबादलों तथा पदस्थापनों के लिये रिश्वत लेने के आरोपियों में शामिल हैं।

पान्डे को ओ.एस.डी. के पद से हटा दिया गया है तथा उनके खिलाफ विजिलेंस इन्क्वायरी शुरू हो गई है।

प्रसाद, जो कांग्रेस-राजनीति में पले-बढ़े हैं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कार्यशैली के अभ्यस्त नहीं हैं। योगी तथा प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में बहुत समानता है।

कांग्रेस तबादलों तथा पदस्थापनों आदि से सम्बन्धित निर्णय लेने के लिये काफी छूट देती है, लेकिन भाजपा में, इस प्रकार के बड़े निर्णय पी.एम.ओ. या सी.एम.ओ. ही लेता है तथा इस व्यवस्था से वे लोग चिढ़ जाते है तथा परेशान हो जाते हैं, जो अन्य दलों से भाजपा में आये होते हैं।

हालाँकि सूत्रों का कहना है कि पार्टी हाई कमान इन मुद्दों का समाधान करने के लिये इन दोनों मन्त्रियों से बात करने की कोशिश कर रही है। लेकिन ऐसी सम्भावना दिखाई दे रही हैं कि प्रसाद और खटीक शीर्ष नेतृत्व को प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं तथा उन्हे भाजपा हाई कमान से कोई समर्थन मिलने वाला नहीं हैं।

प्रसाद को भ्रम है कि वे बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता अब समाप्त हो चुकी है तथा अब या तो उन्हें दबना पड़ेगा या फिर उन्हें मुख्यमंत्री की कार्यशैली स्वीकार करनी होगी, या फिर उहे बाहर जाना पड़ेगा। लेकिन इस समय उनके पास यह विकल्प नहीं क्योंकि इस समय सौंदेबाजी की स्थिति में भी नहीं हैं।

इस मुद्दे को योगी आदित्य नाथ के लिये एक संकट के रूप में प्रोजेक्ट करने की मीडिया की कोशिश में वस्तुतः एक अटकल मात्र ही है क्योंकि मोदी तथा शाह में से कोई भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हुक्म नहीं दे सकता। प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी की तरह ही, योगी आदित्य नाथ ने भी सारी शक्तियों मुख्यमंत्री कार्यालय में केन्द्रित कर रखी हैं। वे अपने अधिकांश मन्त्रियों को ज्यादा छूट या गुजांइश नहीं देते। इस मामले में, केवल वे चन्द साथी अपवाद माने जा सकते हैं, जिन्हें वे काम करने की या कुछ कर दिखाने की कुछ स्वतन्त्रता दे देते हैं।

खादिम गौहर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाली किसी सकड़ी गली से अनजाने में भी कोई निकलता दिखा तो पुलिस ने उसे वहीं पर ही रूक जाने के संकेत किए। पुलिस दल में अनेक डिप्टी लैवल के अधिकारी व थाना प्रभारी भी शामिल थे। पुलिस ने किसी भी अनहोनी के मध्यनजर अस्त्र-शस्त्र भी ले रखे थे। इसमें आंसू गैस छोड़ने की गन्स व अन्य आग्नेय शस्त्र भी शामिल थे। ज्ञातव्य है कि खादिम गौहर चिश्ती को 14 जुलाई की रात हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया था और उसे 15 जुलाई की सुबह अजमेर लाया गया। यहां मजिस्ट्रेट ने उसे 22 जुलाई तक पुलिस अभिरक्षा में रखने के आदेश दिए।

राजस्थान विश्वविद्यालय के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकाशित नहीं करवाये हैं।

याचिका में बताया गया है कि "सर्च कमेटी" में चार सदस्य होने चाहिये, जिसमें से एक "युनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन" (यू.जी.सी.) का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि वर्तमान वी.सी. के चयन प्रक्रिया के दौरान यूजीसी के प्रतिनिधि को बुलाया नहीं गया था, इसलिए वी.सी. के नियुक्ति के पत्र पर यूजीसी के प्रतिनिधि के हस्ताक्षर नहीं हैं।

याचिका में कहा गया है कि "सर्च कमेटी" ने 213 उम्मीदवारों में से केवल 4 उम्मीदवारों को वी.सी. के पद के लिए उपयुक्त कैसे समझा, इस पर कोई कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, जिससे यह जाहिर होता है कि यह कमेटी मनमाने तरीके से कार्य कर रही है।

याचिकाकर्ता ने डॉक्टर प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी, जो "सर्च कमेटी" के सदस्य थे, पर आरोप लगाया है कि उन्होंने कई तथ्य छुपाए, जिस वजह से उनकी "सर्च कमेटी" के सदस्य के रूप में नियुक्ति नहीं हो सकती थी, क्योंकि उनका व्यक्तिगत हित उनके निर्णयों को प्रभावित करते, जिसे "कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इन्ट्रैस्ट" कहा जाता है। याचिका में कहा गया है कि "सर्च कमेटी" के सदस्यों का राजस्थान विश्वविद्यालय में किसी तरह का जुड़ाव नहीं हो सकता, परन्तु डॉक्टर प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के वी.सी. हैं, इसलिए वह राजस्थान विश्वविद्यालय के सीनेट के पदेन सदस्य हैं। सूत्रों से यह भी पता चला है कि प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी पूर्व में राजस्थान युनिवर्सिटी में प्रोफेसर रह चुके हैं इसलिए भी उन्हें राजस्थान युनिवर्सिटी के वी.सी. के चयन के लिए गठित सर्च कमेटी में शामिल नहीं किया जा सकता था।

याचिका में कहा गया है कि डॉक्टर प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने यह तथ्य छुपाया इस वजह से एक अयोग्य व्यक्ति को "सर्च कमेटी" का सदस्य बनाया गया। याचिका में आगे कहा गया है कि "सर्च कमेटी" के अध्यक्ष एस.के. दुबे ने अयोग्य लोगों को "सर्च कमेटी" में नियुक्त किया, इसलिए उनके खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए।

मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राजीव जैन सहित सभी अन्य पक्षकार पार्टियों से जवाब तलब किया है। इस मामले पर 29 जुलाई को सुनवाई होगी।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में राजस्थान युनिवर्सिटी के ही जे.पी. सिंघल को भी न्यायिक आदेश के बाद अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था क्योंकि अदालत ने उन्हें भी वी.सी. पद के लिए निर्धारित मापदंडों पर खरा नहीं पाया था, तब भी न्यायाधीश झवेरी की बैंच ने सर्च कमेटी की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए थे, परन्तु अदालत द्वारा सर्च कमेटी से जवाब-तलब करने से पहले ही जे.पी. सिंघल ने वी.सी. पद से इस्तीफा दे दिया था।

'माकन को हटाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बात को पहले से ही जानते थे कि कुलदीप बिश्नोई पार्टी से नाराज हैं तथा वे कांग्रेस को वोट नहीं देगें।

अजय माकन अपनी हार के लिये किरण चौधरी तथा विवेक बंसल को दोषी ठहराया है। वे अदालत में भी पहुँच गये हैं। जहाँ किरण चौधरी ने अपने बचाव के लिये अपना स्पष्टीकरण दे दिया है, वहीं विवेक बंसल ने भी अपने बचाव की कोशिश में अपनी खामोशी तोड़ दी हैं। अजय माकन ने राहुल गांधी की पंसद थे तथा उन्होंने ही माकन को हरियाणा से खड़ा किया था। पार्टी ने कुछ वरिष्ठ नेताओं ने तो यहाँ तक कह दिया है कि अजय माकन की हार में प्रियंका गांधी का भी हाथ था।

यह सर्वविदित है कि प्रियंका के पति के डी.एल.एफ के कर्ता-कर्ताओं के साथ काफी घनिष्ठ सम्बन्ध हैं तथा इसी के परिणाम स्वरूप, वे लोग भूपिन्दर सिंह हूडा तथा विनोद शर्मा के काफी नज़दीक हैं। ज्ञातव्य है कि विनोद शर्मा के पुत्र कार्तिकेयन शर्मा अजय माकन के सामने भाजपा समर्थित उम्मीदवार के रूप में खड़े हुये थे।

कोविड-19...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि देश में संक्रमित हुये लोगों की संख्या 4,38,03,619 रही है जिनमें 4,31,32,140 लोग ठीक हो गये हैं। ऐक्टिव केस बढ़कर 1,45,654 हो गये हैं। बुधवार को 24 घंटों में हुये 26.04 लाख टीकाकरण के साथ, पूरे देश में टीकाकरण का आँकड़ा 200.61 करोड़ तक पहुँच गया।

विदेशी इन्वैस्टर भारत से अपनी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करीब 30 बिलियन डॉलर निकाले हैं, और सबसे अधिक, यहां उन्हें भविष्य में डॉलर में निवेश करने को लेकर डर है और वे अपना धन निकाल रहे हैं।

परिणामस्वरूप, ये निवेशक अन्य सभी बाजारों से अपना धन निकाल रहे हैं और अपने फण्ड्स का अमेरिका के बाजारों में निवेश कर रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि अमेरिकी डॉलर का मूल्य बढ़ रहा है और अन्य सभी करेन्सीज़ का मूल्य गिर रहा है। भारतीय रूपया भी इन करेन्सीज़ में से एक है।

उल्लेखनीय है कि यूरोपियन यूनियन की कॉमन करेंसी "यूरो" का मूल्य भी डॉलर की तुलना में गिर चुका है और अब यह एक अभूतपूर्व गिरावट की ओर है।

इन परिस्थितियों में यह निष्कर्ष निकालना ग़लत होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में है क्योंकि रूपया गिर रहा है। अगर कुछ है तो वह यह कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक अच्छी आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं दर्शा रही है और विकास की लय को बखूबी पकड़ रही है।

चिंताजनक बात यह है कि गिरते रूपए को संभालने के लिए रिजर्व बैंक बाजार में हस्तक्षेप कर रहा है। इससे भारत के विदेशी मुद्रा भण्डार में सिर्फ कमी ही होगी और अंत में कुछ भी हासिल नहीं होगा। आर.बी.आई. यदि रूपए के गिरते मूल्य को संभालने के लिए बहुत से डॉलर्स भी खर्च करे, रूपए का मूल्य तब भी कम ही होगा।

ज्ञातव्य है कि पिछले दशक से लगातार चली आ रही आर्थिक उथल-पुथल में रूपए का मूल्य करीब 100 प्रतिशत तक गिर चुका है। दस वर्ष पूर्व रूपया, एक डॉलर की तुलना में 40-44 के आसपास ट्रेड किया जा रहा था और अब यह एक डॉलर की तुलना में 80 के आसपास मंडरा रहा है। सच में, रूपया ही ऐसी एकमात्र करेंसी नहीं है जिसका मूल्य सशक्त अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिरा है।

कुछ व्यापारी ऐसा महसूस करते हैं कि जिस तरीके से वैश्विक अर्थव्यवस्था करवट बदल रही है उसे देखते हुए रूपए के मूल्य में और गिरावट अपरिहार्य है। प्रत्यक्ष परिवर्तन, खासतौर पर तेल की कीमतों का ऊपर जाना, वित्तीय बाजारों की निरन्तर अनिश्चितताएं, यूक्रेन में लम्बा खिंचता युद्ध और उसके कमजोर प्रभावों ने उभरती बाजार करेंसीज़ को कमजोर करने में अपना योगदान दिया है। रूपए के अवमूल्यन से अर्थव्यवस्था पर भारी प्रभाव पड़ेगा, लेकिन वित्तीय बाजारों में वर्चस्व की लड़ाई के बीच रूपए के गिरते मूल्य को कृत्रिम रूप से संभालने के बजाए इस विपदा को समाप्त करना बेहतर होगा।

अग्निपथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के संवेदनशील मुद्दे का स्वयं निस्तारण करने के बजाए जस्टिस डी.वाय.चन्द्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ए.एस.बोपन्ना की सुप्रीम की सुप्रीम कोर्ट की 12 बैंच ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट से कहा था कि वह सभी हस्तांतरित याचिकाओं पर विचार करे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908